ॐ श्री अलखपुरीजी
सिद्धपीठ परम्परा

ॐ आश्रम

में आपका हार्दिक स्वागत है

जाडन ३०६४०१, जिला पाली, (राज.), भारत
दूर: +९१ २९३५ २७४०३५ +९१ ९०० १२९५ १३१
www.omashram.com info@omashram.com

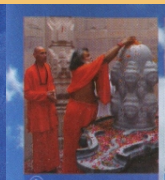

द्वादश ज्योतिर्लिंग

ॐ आश्रम के मध्य में द्वादश ज्योतिर्लिंग शिव मन्दिर स्थापित है। मन्दिर के गर्भ गृह में शिव परिवार के साथ ही साथ, एक हजार आठ शिव मूर्तियों की स्थापना हेतु भक्तगण दान देकर अपना या अपने माता पिता का नाम लिखवाकर अभिषेक कराकर पुण्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार भक्तों द्वारा प्रतिष्ठित, सभी मूर्तियां सदैव इस द्वादश ज्योतिर्लिंग सहित नित्य पूजित होंगी। इनके दर्शन व अभिषेक के द्वारा भक्तगणों एवं दर्शनार्थियों को शारीरिक व मानसिक सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है तथा सम्पन्नता एवं ऐश्वर्य प्राप्त होगा।

दिव्य समाधि

ॐ आश्रम के मध्यतल भाग में प्रातः स्मरणीय हिन्दू धर्म सम्राट ब्रह्मलीन श्री स्वामी माधवानन्दपुरी जी महाराज गुरुदेव की मूर्ति, सप्त ऋषियों सहित विराजमान है। जिसके दर्शन मात्र से दिव्य अनुभूतियां एवं मनोकामनायें पूर्ण होती हैं। इस सिद्ध समाधि के विभिन्न कक्षों में २४ अवतार, विभिन्न दिव्य शक्तियों एवं ईश्वरीय विभूतियों के चित्र, भक्तों के सहयोग से प्रतिष्ठित किया जाना प्रस्तावित है, अतः इस कल्याणप्रद अवसर का लाभ उठायें।

सूर्य मंदिर

ॐ की पूर्ण आकृति में 'उ' की अर्धचन्द्र बिन्दु की मात्रा चन्द्र का प्रतीक है। चन्द्रमा मन का देवता व जल का प्रतीक है और स्वयम्भू शिव की जटा मुकुट का आभूषण है। यह अर्धचन्द्र आकार पानी की झील है, बिन्दु सूर्य का प्रतीक है। अर्धचन्द्र बिन्दु पर ४२ मीटर ऊंचा स्तम्भ है जिसमें १२ मन्दिर व ढाई लाख लीटर पानी की टंकी तथा ऊपर सूर्य मन्दिर स्थापित है। इस सूर्य मन्दिर के अष्ट खण्ड हैं जो अष्ट चक्रों का प्रतीक हैं।

दिव्य आकार

भव्य ॐकार का क्षेत्रफल, पूर्व से पश्चिम १८५ मीटर तथा उत्तर से दक्षिण २५२ मीटर है। ॐ आश्रम मन्दिर की ऊंचाई ३८.५ मीटर है। यह ॐकार रचनात्मक भव्य भवन दर्शनीय तीर्थ का साकार रूप गुलाबी पत्थर से निर्मित, भारतीय प्राचीन शास्त्रोक्त हस्तकला से परिपूर्ण है। वर्तमान युग में निर्मित शास्त्रीय कृति है। २५ वर्षों से निरन्तर निर्माण कार्य में नियोजित गरीब ग्रामीण मजदूर, शिल्पी अपने परिवार का भरण पोषण करते आ रहे हैं। जो भी भक्तों के सहयोग द्वारा श्री गुरुदेव की झोली में आता है, उसे इस विशाल निर्माण कार्य में लगा दिया जाता है।

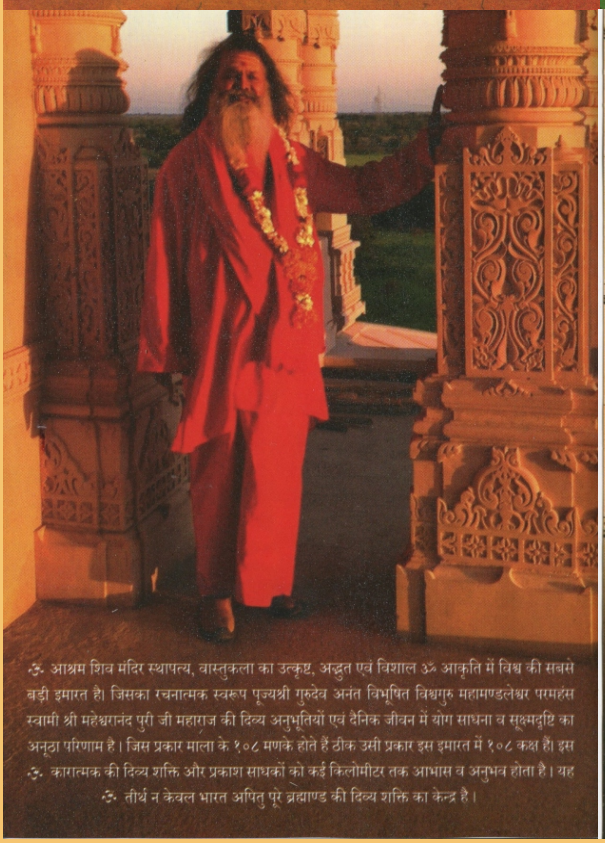

ॐ आश्रम शिव मंदिर स्थापत्य, वास्तुकला का उत्कृष्ट, अद्भुत एवं विशाल ॐ आकृति में विश्व की सबसे बड़ी इमारत है। जिसका रचनात्मक स्वरूप पूज्यश्री गुरुदेव अनंत विभूषित विश्वगुरु महामण्डलेश्वर परमहंस स्वामी श्री महेश्वरानंद पुरी जी महाराज की दिव्य अनुभूतियों एवं दैनिक जीवन में योग साधना व सूक्ष्मदृष्टि का अनूठा परिणाम है। जिस प्रकार माला के १०८ मणके होते हैं ठीक उसी प्रकार इस इमारत में १०८ कक्ष हैं। इस ॐ कारात्मक की दिव्य शक्ति और प्रकाश साधकों को कई किलोमीटर तक आभास व अनुभव होता है। यह ॐ तीर्थ न केवल भारत अपितु पूरे ब्रह्माण्ड की दिव्य शक्ति का केन्द्र है।

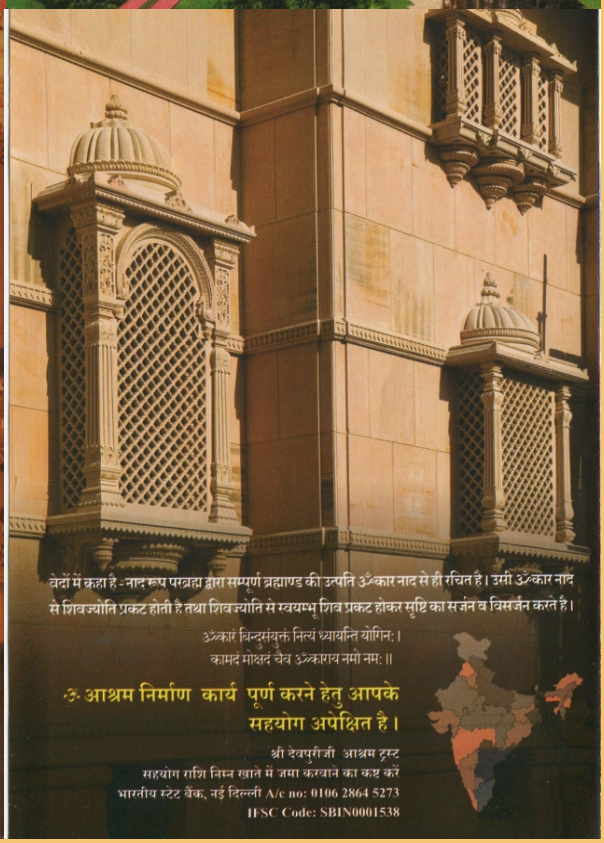

वेदों में कहा है - नाद रूप परब्रह्म द्वारा सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड की उत्पति ॐकार नाद से ही रचित है। उसी ॐकार नाद से शिवज्योति प्रकट होती है तथा शिवज्योति से स्वयम्भू शिव प्रकट होकर सृष्टि का सर्जन व विसर्जन करते हैं।

ॐकार बिन्दुसंयुक्तं नित्यं ध्यायन्ति योगिनः।
कामदं मोक्षदं चैव ॐकाराय नमो नमः॥

ॐ आश्रम निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु आपके सहयोग अपेक्षित है।

श्री देवपुरीजी आश्रम ट्रस्ट
सहयोग राशि निम्न खाते में जमा करवाने का कष्ट करें
भारतीय स्टेट बैंक, नई दिल्ली A/c no: 0106 2864 5273
IFSC Code: SBIN0001538

महर्षि भगवान वाल्मीकि जन्म महोत्सव के पावन पर्व पर दिनांक 13 अक्टूबर, 2019 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रकाशक : **विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान,** कीर्ति नगर, श्याम नगर, सोढाला, जयपुर
Mail Id. : vishwagurudeepashram@gmail.com • jaipur@yogaindailylife.org
Website : https://www.vgda.in • Youtube : www.youtube.com/c/vishwagurdeepashram

Narayan